02

आज समाज

www.aajsamaaj.com

04

नई दिल्ली, पृष्ठ-04, रविवार, 28 मई 2023

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

विक्रमी संवत 2080, मास-ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष नवमी, मूल्य, 2.00 रुपए

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

आज समाज नेटवर्क

कार्यक्रम के उपरांत मंचासीन अतिथिगण। आज समाज

बल्लभगढ़। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के पुस्तकालय विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से पुस्तकालयों का सतत विकास विषय पर तीन-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। संगोष्ठी को राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन कोलकाता और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित व अनुमोदित किया गया है। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ दीपशिखा प्रज्वलन एवं पौधों भेंटकर अतिथियों के सत्कार के साथ हुआ। संगोष्ठी निर्देशक और महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एक मंच प्रदान करेगी और विद्वतगणों और शोध छात्रों को नई खोज का मार्ग प्रशस्त करेगी। संगोष्ठी का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से पुस्तकालय विकास के विभिन्न पहलुओं को बारीकियों से समझना तथा भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार कराना है। महाविद्यालय में पुस्तकालय और पुस्तकालय अध्यक्ष का विशेष योगदान है। पुस्तकालय को मंदिर के गर्भ गृह का नाम देकर पुस्तकालय उपयोग की तरफ ध्यान दिलाया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में जो भारतीय ज्ञान परंपरा की बात कहीं है वह केवल मात्र पुस्तकालय में ही मिल सकती है। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम से कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार जी रहें। जिन्होंने अपने संबोधन में पुस्तकालय को आध्यात्मिक स्थान बताते हुए पुस्तकालय भवन में बैठकर पढ़े का विशेष महत्व बताया। उन्होंने तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के शीर्षक की प्रशंसा करते हुए सामग्र कल्याण और समग्र विकास की बात कही। प्रोफेसर केपी सिंह पुस्तकालय विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली व निदेशक, गांधी भवन, नई दिल्ली से रहें। इन्होंने अपने संबोधन में समग्र विकास के लिए प्रकृति संतुलन को मुख्यतः बताया। वसुधैव कुटुंबकम के महत्व को बताते हुए समग्र कल्याण पर जोर दिया साथ ही सकारात्मक परिवर्तन की बात कही। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर एमपी सिंह बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ से रहें। इन्होंने पुस्तकालय-विद्या का मंदिर और पुस्तकालय अध्यक्ष को मार्गदर्शक बताया व समग्र विकास हेतु पुस्तकालय का निरंतर उपयोग बहुत आवश्यक बताया साथ ही बताया कि गूगल एक मिनट में लाखों उत्तर दे सकता है पर पुस्तकालय अध्यक्ष ही सही समय पर सही मार्गदर्शक करता है। संगोष्ठी को सफल बनाने में संगोष्ठी संयोजक डॉ. रामचंद्र, सह-संयोजिका डॉ. गीता गुप्ता, आयोजन सचिव डॉ. सारिका कंसालिया, आयोजन सह-सचिव डॉ. सचिन गर्ग, विभिन्न सत्र संचालक, डॉ. केएल कौशिक, डॉ. मनोज शुक्ला, डॉ.नरेश कामरा, डॉ. जयपाल सिंह, डॉ. रेखा सैन, मिस्टर सुभाष, डॉ. जगबीर, डॉ. विनीत, मिस्टर लव्केश इत्यादि का विशेष योगदान रहा।